मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन 02 मई 2025

मुक्तविश्वविद्यालय मेंसौरऊर्जासंयंत्र की स्थापना

विश्वविद्यालय मेंसौरऊर्जाप्रणालीस्थापितकरउसकी घोषणाकरतेहुए कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजीतथासाथमेंविश्वविद्यालय के कुलसचिवकर्नलविनय कुमार एवंवित्तअधिकारी श्रीमती पूनममिश्रा

सोलरपैनल से होगीविद्युतबिल की बचत–कुलपति

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय मेंसौरऊर्जाप्रणालीस्थापितकरदीगईहै।उच्चशिक्षा विभाग, उत्तरप्रदेश शासन से प्राप्तअनुदान से विश्वविद्यालय में 230 किलोवाट के सौरऊर्जासंयंत्र के सफलइंस्टॉलेशन के उपरांत शुक्रवारदिनांक 02 मई, 2025 कोमाननीय राज्यपाल, उत्तरप्रदेश एवंकुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेनपटेलजीके संरक्षकत्वमेंकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने विश्वविद्यालय के कुलसचिवकर्नलविनय कुमार एवंवित्तअधिकारी श्रीमती पूनममिश्रा के साथइसकीविधिवत घोषणाकी।

इस अवसरपरआयोजितसमारोहमेंकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकिविश्वविद्यालय मेंउच्चगुणवत्तावालेसौरपैनलकोइंस्टॉलकियागयाहै।अबहमसौरऊर्जा का उपयोगकरकेविद्युतबिल की बचतकरसकेंगे।उन्होंनेकहाकिसौरऊर्जा एकस्वच्छऔर नवीकरणीय ऊर्जास्रोतहैजोपर्यावरणपर कम प्रभावडालतीहै।

उन्होंनेकहाकिविश्वविद्यालय के गंगा यमुना एवंसरस्वतीपरिसर की इमारतेंऊर्जा–कुशलहैंऔर यहांसौरऊर्जाजैसे नवीकरणीय ऊर्जास्रोतों का उपयोगप्रारंभकरदियागयाहै। 26 मार्च 2025 से सोलरप्लांट के इंस्टॉलऔरसंचालन का कार्यचलरहाथा। इस प्रणालीमेंसौरपैनलसूर्य की ऊर्जाकोविद्युतऊर्जामेंपरिवर्तितकरेगी, जिससेविश्वविद्यालय कोप्रकाशमानकियाजासकेगा।इसकेसाथहीसौरऊर्जा से विश्वविद्यालय मेंअतिरिक्तऊर्जा की बचतहोगीऔरराष्ट्र निर्माण की दिशामेंविश्वविद्यालय प्रगतिकरेगा।

इस अवसरपरविश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी एवंकर्मचारीआदिउपस्थितरहे।

मुक्तविश्वविद्यालय मेंयोगअभ्यास

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजमेंअंतर्राष्ट्रीय योगदिवस 2025 के परिप्रेक्ष मेंमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी के निर्देशपरगंगापरिसरस्थितलानमेंविश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों द्वारा योगअभ्यासकियागया ।पूरेमाहचलनेवाला योगाभ्यासआजदिनांक 07 मई, 2025 से प्रारम्भहोगया।

योगाभ्यासकरातेहुए श्रीअमितकुमारसिंह एवंश्रीअनिकेत एवं योगाभ्यासकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजीतथाविश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्तविश्वविद्यालय मेंयोगअभ्यास

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजमेंअंतर्राष्ट्रीय योगदिवस 2025 के परिप्रेक्ष मेंमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी के निर्देशपरदिनांक 08 मई, 2025 कोगंगापरिसरस्थितलानमें योगप्रशिक्षकश्रीअमित सिंह द्वाराविश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों द्वारासूक्ष्म व्यायाम, कपालभारती, प्राणायाम, भ्रामरीप्राणायामऔरभस्त्रिका प्राणयाम का अभ्यासकरायागया। ये सारेप्राणायाम शारीरिक एवंमांसिक रुप से तनाव से मुक्तकरतेहै।

योगाभ्यासकरातेहुए श्रीअमितकुमारसिंह एवंश्रीअनिकेत एवं योगाभ्यासकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजीतथाविश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्तविश्वविद्यालय मेंयोगअभ्यास

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजमेंअंतर्राष्ट्रीय योगदिवस 2025 के परिप्रेक्ष मेंमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी के निर्देशपरदिनांक 09मई, 2025 कोगंगापरिसरस्थितलानमें योगप्रशिक्षकश्रीअमित सिंह एवंश्रीअनुराग शुक्लाद्वाराविश्वविद्यालय परिवार के सदस्योंकोमंत्र योग के विज्ञानपरपरिचर्चा के साथमंत्र योग के अभ्यासकरायेंगये । मंत्र योगहमेंगहराविश्रान्तिप्रदानकरताहै।साथहीग्रीष्म ऋतुमें शरीरको शीतल रखने के प्राणायाम शीतलीऔरचन्द्रवेदी का अभ्यासकरायागया। ये

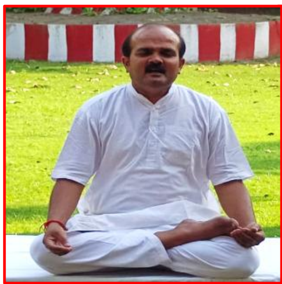

योगाभ्यासकरातेहुए श्रीअमितकुमारसिंह एवंश्रीअनिकेत एवं योगाभ्यासकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजीतथाविश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्तविश्वविद्यालय मेंऑनलाइनयोगअभ्यास

योगाभ्यासकरतेहुए प्रतिभागीगणविश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजमेंअंतर्राष्ट्रीय योगदिवस 2025 के परिप्रेक्ष मेंमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी के निर्देशपरदिनांक10मई, 2025 कोसुबह 7:00 बजेऑनलाइन योगप्रशिक्षकश्रीअमितसिंह एवंश्रीअनुराग शुक्लाद्वारायोग के अभ्यासकरायेंगये ।

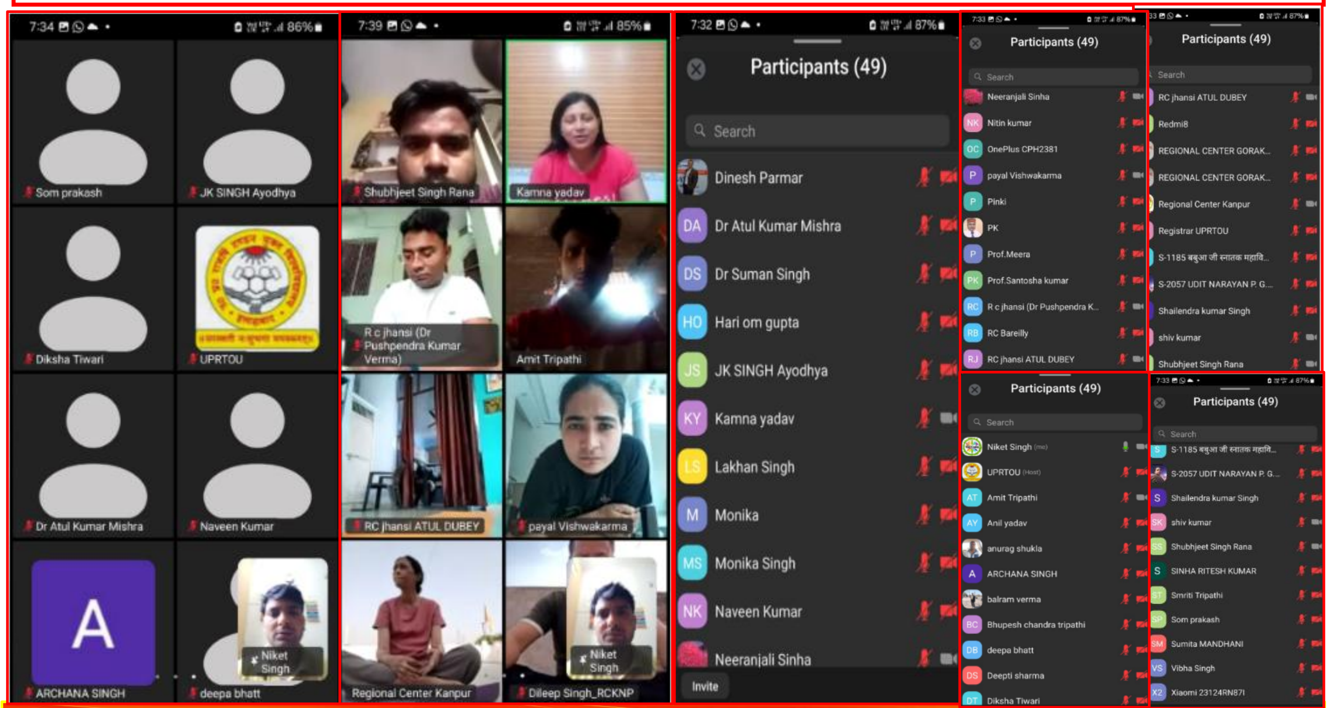

डॉ. सतीशचंद्रजैसल ने भूटानमेंअंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंसकोकियासंबोधित

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के पत्रकारिता एवंजनसंचारविभागमेंअसिस्टेंटप्रोफेसर डॉ. सतीशचंद्रजैसल ने शनिवारदिनांक 10 मई, 2025को एन.आर.सी. रॉयल यूनिवर्सिटीऑफभूटानमेंआयोजितअंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंसकोसंबोधितकिया।

"मीडिया, संचारऔरडिजिटलसंस्कृति"विषय परआधारिततकनीकी सत्र की अध्यक्षताकरतेहुए डॉ. जैसल ने विषयवस्तुपरअपनेविचारसाझा किए।उन्होंने"सामाजिकविकासऔरडिजिटलमीडियारू चुनौतियां एवंसमाधान"विषय पर शोधपत्र भीप्रस्तुतकिया।

भूटान के पारोमें 10 मई से 13 मईतकआयोजित इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनमेंदुनियाभर से शिक्षाविद, शोधार्थीऔरविशेषज्ञभागलेरहेहैं। यहकॉन्फ्रेंस"एकटिकाऊऔरसमतामूलकभविष्य की ओररू सामाजिकपरिवर्तनमेंविज्ञान, प्रौद्योगिकी, राजनीतिऔरअर्थशास्त्र की भूमिका"विषयवस्तुपरकेंद्रितहै।

मुक्तविश्वविद्यालय मेंयोगअभ्यास

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजद्वाराअंतर्राष्ट्रीय योगदिवस 2025 के परिप्रेक्ष मेंमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी के निर्देशपरदिनांक13मई, 2025 कोगंगापरिसरस्थितलानमें योगप्रशिक्षकश्रीअनुराग शुक्लाएवंश्रीनिकेतद्वाराविश्वविद्यालय परिवार के सदस्योंको योग के विज्ञानपरपरिचर्चा के साथसूक्ष्म व्यायाम, शीतलीप्राणायाम, चन्द्रभेदनप्राणायाम, शीतकारीप्राणायाम, ओमकार एवंप्रार्थनाकरायागया।

योगाभ्यासकरातेहुए श्रीअनुराग शुक्ला एवंश्रीनिकेततथा योगाभ्यासकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजीएवंविश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्तविश्वविद्यालय मेंयोगअभ्यास

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजद्वाराअंतर्राष्ट्रीय योगदिवस 2025 के परिप्रेक्ष मेंमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी के निर्देशपरदिनांक14मई, 2025 कोगंगापरिसरस्थितलानमें योगप्रशिक्षकश्रीअमितकुमार सिंहएवंश्रीनिकेतद्वाराविश्वविद्यालय परिवार के सदस्योंको योग के विज्ञानपरपरिचर्चा के साथसूक्ष्म व्यायाम, शीतलीप्राणायाम, चन्द्रभेदनप्राणायाम, शीतकारीप्राणायाम, हास्य व्यायाम, ओमकार एवंप्रार्थनाकरायागया।

योगाभ्यासकरातेहुए श्रीअमितकुमारसिंह एवंश्रीनिकेततथा योगाभ्यासकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजीएवंविश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्तविश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्रकानपुर द्वाराछात्र–छात्राओंकोटैबलेटप्रदानकियागया

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओंकोकल 14 मई, 2025 को क्षेत्रीय केंद्रकानपुर द्वारा 17 छात्र–छात्राओंकोटैबलेटप्रदानकियागयाजिसमेंसभीछात्र परास्नातक के थे।पूर्वमें 182 छात्रोंकोटैबलेटप्राप्तहोचुकाहै।राज्य सरकारसभीस्नातक एवम् परास्नातकस्तर के छात्र छात्राओंकोडिजी शक्ति के माध्यम से टैबलेटऔरमोबाइलप्रदानकरतीहैजिससेछात्र अपनीशिक्षा उन्नततरीके से करसके।

मुक्तविश्वविद्यालय द्वाराज्वालादेवीविद्यामंदिरमें योगप्रशिक्षण एवंअभ्यासकरायागया

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वाराअंतर्राष्ट्रीय योगदिवस 2025 के परिप्रेक्ष मेंमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी के निर्देशपरदिनांक 15 मई, 2025 को योगकार्यक्रम के अंतर्गतविद्याभारती के ज्वालादेवीविद्यामंदिरगंगापुरीमेंछात्र–छात्राओं एवंशिक्षकबंधुओको योग की प्राचीनता के विषय मेंजानकारीप्रदानकरने के साथ–साथ, सुक्ष्म व्यायाम, ओमकारप्राणायाम, अनुलोम–विलोम, भ्रामरीप्राणायाम एवंकपालभाति का अभ्यासविश्वविद्यालय के सहायकआचार्य (संवि.) श्रीअनुराग शक्ला द्वाराकरायागया। इस अवसरपरप्रधानाचार्यजुगलकिशोरजी के साथ–साथविद्याभारती के ज्वालादेवीविद्यामंदिर के समस्तशिक्षक एवंशिक्षिकाएं की भीउपस्थितरही।

योगाभ्यासकरातेहुए
श्रीअनुराग शुक्ला

मुक्तविश्वविद्यालय द्वारागोदलियेगाँवमें योगप्रशिक्षण एवंअभ्यासकरायागया

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वाराअंतर्राष्ट्रीय योगदिवस 2025 के परिप्रेक्ष मेंमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी के निर्देशपरदिनांक 15 मई, 2025 कोआयोजितकियागया।उपरोक्तपत्रांक के माध्यम से 2 (ब) के अंतर्गतनिर्देशितकियेगयेकार्यक्रम“**Yoga for One Earth One Health**” का आयोजनकृषिविज्ञानविद्याशाखा द्वारागोदलियेगाँवतिवारीपुर, लेहरा के कम्पोजिटविद्यालय लेहारा, सोरांवमेंकृषिविज्ञानविद्याशाखा एवंमहिला अध्ययन एवंविस्तारितगतिविधि के संयुक्ततत्वावधान से कियागया।

उपरोक्तकार्यक्रममेंविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0 धर्मराज यादव, प्रधानाचार्य एवंसहायकप्राध्यापक श्रीमती मिथलेश त्रिपाठी, श्रीमती अंजूपाण्डेय, श्रीपूर्णेन्दुमिश्र, श्रीनीराश्रीवास्तव, श्रीमती आशा, विनीता शुक्ला, सीमापरवीन एवंशिक्षा मित्र अनुराधा चौधरी, रंजीता के साथउत्तरप्रदेशराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय के डॉ. रविन्द्रप्रताप सिंह, विज्ञानविद्याशाखा के सहायकआचार्य एवंसदस्य महिला अध्ययन एवंविस्तारितगतिविधि केन्द्रतथा डॉ0 प्रमोदकुमार सिंह, सहायकआचार्य, कृषिविज्ञानविद्याशाखा एवंडॉ. अमितकुमार सिंह, सहायकआचार्य, स्वास्थ्य विज्ञानविद्याशाखा, डॉ. अनिलकुमार यादव, विज्ञानविद्याशाखा के सहायकआचार्य एवंसदस्य महिला अध्ययन एवंविस्तारितगतिविधि केन्द्रआदिउपस्थितरहेसाथही कक्षा 01 से 08 तकसमस्तछात्रों ने पूरेमनोयोग से योगजागरुकताकार्यक्रम व कार्यशालामेंप्रतिभागकिया।

योगाभ्यासकरातेहुए
स्हायकआचार्य (संवि.) श्रीअमितकुमार सिंह

कार्यक्रम के प्रारम्भमें डॉ0 आर. पी. सिंह ने समस्तउपस्थितप्रतिभागियों का स्वागतकियासाथहीउन्होंने ने योग के महत्वको समझातेहुए योग से होनेवालेलाभों से उन्हेंपरिचितकराया। योग के जनकमहर्षिपतंजलिहैइन्होनें योगसूत्र नामकग्रंथमें योग के विभिन्नपहलूओंकोव्यवस्थिति रुप से संकलितकियाऔर योगदर्शन का विकासकिया।उन्होने ने बतायाकि इस योगनामककला का जन्मआज से हजारोवर्षपूर्वहमारेदेशभारतमेंहीहुआथा। योगसूत्र ग्रंथमें योग के आठअंगों यम, नियम, आसन, प्रणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यानऔरसमाधि का वर्णनकियागयाहै।इसमें योग के 196 सूत्र है।महर्षिपंतजलि ने योगको एक व्यवहारिक एवंवैज्ञानिकदृष्टिकोण से प्रस्तुतकियाजिससेआमजनों के लिए अधिकसुलभहोगया।महर्षिपंतजलिको योग का जनकमानाजाताहै।

डॉ. अनिलकुमार यादव, ने बतायाकि 11 दिसम्बर 2014 कोसंयुक्तराष्ट्र के 177 देशों के सदस्यों द्वारा 69/131 संकल्प संख्या द्वारा 21 जूनकोअंतर्राष्ट्रीय योगदिवस के रुप मेंमनाने के प्रस्तावकोमंजूरीमिलीतथा इसे अंतर्राष्ट्रीय योगदिवस के रुप में घोषितकिया।प्रथमअंतर्राष्ट्रीय योगदिवस 21 जून 2015 कोमनायागया। यह दिनउत्तरीगोलार्धवर्ष का सबसेबड़ादिनहोताहै, जिसेग्रीष्मसंक्रातिकहतेहैऔर योगभीमनुष्य कोदीघार्युबनाताहै।ग्रीष्मसंक्रांति के बादसूर्यदक्षिणायनमेंप्रवेशकरताहैजिसे योग एवं अध्यात्म के लिए महत्वपूर्णमानागयाहै।भारतीय परम्परामेंभगवानशिवकोआदि योगीदेव एवं योगमायाकोदेवीबतायागयाहै।पौराणिकग्रंथोंमें योगको एक आध्यात्मिक यात्रा में एक महत्पूर्णकदम के रुप मेंव्याख्यायितकियागयाहै।अंतर्राष्ट्रीय योगदिवस का उद्देश्य योगदिवस का उद्देश्य योगअभ्यास के अनेकलाभों के बारेमेंविश्वभरमेंजागरुकता बढ़ानाहै।

प्रधानाचार्यजी ने बतायाकि इस वर्ष की अंतर्राष्ट्रीय योगदिवस की थीम" **Bring into Focus the Role that Yoga can Play in Achieving the 17 Sustainable Development Goals Outlined by the United Nations**" है।अतः सतत् विकासलक्ष्य कोप्राप्तकरनेमें योगकी एकसक्रिय भूमिकाहै।

विश्वविद्यालय की ओर से श्रीअमितकुमार सिंह ने प्रतिभागियोंको योग के विभिन्नआसानों से परिचितकरातेहुए कईप्रणायाम, साधनाआदि का प्रशिक्षणदिया।

अंत मेंडॉ. प्रमोदकुमार सिंह ने उपस्थितसभीप्रतिभागियों, विश्वविद्यालय के सदस्यों, प्रधनाध्यापकों एवंशिक्षकों के प्रति धन्यवाद् ज्ञापितकियासाथही यहभीबतायाकि योग एकव्यापकअभ्यासहै। यह एकआत्मअनुशासनऔरसाधनाहैजो शरीर, मन एवंआत्माकोसंतुलितकरतीहै।

विद्यालय के प्रधानाचार्य की ओर से कम्पोजितविद्यालय, लेहरामेंआयोजित योगजागरुकता एवंप्रशिक्षणकार्यक्रममेंउपस्थितविश्वविद्यालय के प्राध्यापकोंकोकार्यक्रमआयोजनहेतुप्रमाणपत्र, प्राध्यापकों एवंछात्रों, के उपस्थितपत्रक उपलब्ध कराया।

मुक्तविश्वविद्यालय में योगप्रशिक्षण एवंअभ्यासकरायागया

प्रतिदिन योग से मुक्तविश्वविद्यालय रिकॉर्ड की ओरअग्रसर

योगाभ्यासकरातेहुए
स्हायकआचार्य (संवि.) श्रीनिकेत

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजमेंअंतर्राष्ट्रीय योगदिवस के पूर्वप्रतिदिन योगाभ्यास की विभिन्नक्रियाएंसंचालित की जारहीहैं।इसी कम मेंबृहस्पतिवारदिनांक 15 मई, 2025 कोगंगापरिसरमेंहास्य योग का आयोजनकियागया। योगाभ्यासकार्यक्रममेंकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम, श्रीमती सीमासत्यकाम, अधिकारी, शिक्षक एवंकर्मचारी शामिलहुए।

हास्ययोग के दौरानलोगों ने जमकरठहाकेलगाए और यह एक मजेदारऔरतनावमुक्तकरनेवालाअनुभवथा।लोगों ने विभिन्नहास्य मुद्राओंऔरगतिविधियोंमेंभागलिया, जिससेउन्हेंहंसीआईऔरतनाव कम हुआ।लोगों ने विभिन्नहास्य मुद्राओं का अभ्यासकिया, जैसेकिहंसने की मुद्रा, मुस्कराने की मुद्राऔरठहाकालगाने की मुद्रा। योगविशेषज्ञनिकेत सिंह ने लोगोंकोसमूहमेंहास्य का अभ्यासकराया, जिससेउन्हें एक दूसरे के साथजुड़नेऔरहंसने का अवसरमिला।

हास्य योग ने लोगोंकोतनावमुक्तकरनेमेंमददकी। उनके मानसिकस्वास्थ्य मेंसुधारकिया।हास्य योग ने लोगोंको एकदूसरे के साथजुड़नेऔरसामाजिकसंबंधबनानेमेंमददकी।श्री सिंह ने कहाकिहास्य योग एकमजेदारऔरतनावमुक्तकरनेवालाअनुभवहै, जोहंसी के साथतनाव कम करनेमेंमददकरताहै।

इस अवसरपरकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकि उ प्र राजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय योग के क्षेत्र में अग्रणी भूमिकानिभारहाहै।विश्वविद्यालय मेंविगत एक सप्ताह से सतत योगाभ्यास का कार्यक्रमचलरहाहै, जोअंतरराष्ट्रीय योगदिवस 21 जून 2025 तकअनवरतसंचालितकियाजाएगा।उन्होंनेबतायाकिराजभवन के निर्देशपरमुक्तविश्वविद्यालय ने कईअभिनव योजनाएंबनाईहैं।जिनकेआधारपरविश्वविद्यालय रिकॉर्डस्थापितकरेगा।विश्वविद्यालय मुख्यालय सहितअपनेसभी क्षेत्रीय केंद्रों एवंगोदलिए गांवोंमें एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योगथीमपरप्रतिदिन योगाभ्यासकार्यक्रमसंचालितकररहाहै।जोअंतरराष्ट्रीय योगदिवस 21 जून 2025 तकचलतारहेगा।उन्होंनेजनसामान्य से भीविश्वविद्यालय के योगकार्यक्रमों से जुड़ने की अपीलकी।

विश्वविद्यालय परिवार के सदस्योंको योग के विज्ञानपरपरिचर्चा के साथसूक्ष्म व्यायाम, शीतलीप्राणायाम, चन्द्रभेदनप्राणायाम, शीतकारीप्राणायाम, हास्य व्यायाम, ओमकार एवंप्रार्थनाकरातेहुए योगप्रशिक्षकश्रीनिकेत

www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

शुक्रवार

कर्नाटक हाईकोर्ट ने सोनू निगम के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगाई

योग क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा मुविवि: कुलपति

- मुक्त विश्वविद्यालय योग में रिकॉर्ड बनाने की ओर अग्रसर

प्रयागराज, कार्यालय संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को हास्य योगाभ्यास कराया गया। इसमें कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम, सीमा सत्यकाम समेत अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल हुए। हास्ययोग के दौरान लोगों ने जमकर ठहाके लगाए और यह एक मजेदार और तनावमुक्त करने वाला अनुभव था। लोगों ने विभिन्न हास्य मुद्राओं का अभ्यास किया, जैसे कि हंसने की मुद्रा, मुस्कराने की मुद्रा और ठहाका लगाने की मुद्रा।

योग विशेषज्ञ निकेत सिंह ने लोगों को समूह में हास्य का अभ्यास कराया, जिससे उन्हें एक-दूसरे के साथ जुड़ने और हंसने का अवसर मिला। हास्य योग ने लोगों को तनावमुक्त करने में मदद की। उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार किया।

कुलपति ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय योग के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। विश्वविद्यालय में विगत एक सप्ताह से सतत योगाभ्यास का कार्यक्रम चल रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून तक संचालित किया जाएगा।

अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेकर स्वदेश पहुंचे प्रतिभागियों का हुआ स्वागत

सम्मेलन

तेजस टुडे ब्यूरो

दीपक कुमार

मुगलसराय, चन्दौली। भारतवर्षीय गोंड आदिवासी महासभा (समिति) और आदिवासी कल्याण समिति के प्रदेश सचिव कृष्ण गोंड ने भूटान में 10 से 13 मई तक आयोजित एक टिकाऊ और न्यायसंगत भविष्य की ओर: सामाजिक परिवर्तन में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, राजनीति और अर्थशास्त्र की भूमिका विषय पर सम्पन्न हुए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन से लौट रहे प्रतिभागियों का स्वागत किया। यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन रायल युनिवर्सिटी भूटान, पारो के नॉर्बुलिंग रिग्टर कॉलेज और सामाजिक समावेशी अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी के द्वारा आयोजित किया गया। सम्मेलन का स्वागत अभिभाषण डॉ. कुनजांग डुक्पा (अध्यक्ष, नॉर्बुलिंग रीग्टर कॉलेज, पारो, भुटान) ने किया, सम्मेलन की प्रस्तावना कांफ्रेंस निदेशक डॉ. अमरनाथ पासवान, सम्मानित अतिथि प्रोफेसर जेबी कोमरैयाह, और मुख्य वक्ता प्रोफेसर संजय पासवान पुर्व मंत्री मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार) रहे। मुख्य

अतिथि डॉ. टैनडिन दोर्जी ने भी सम्मेलन को सम्बोधित किया। सम्मेलन 14 सत्रों में आयोजित किया गया था। जिसमें दो सत्र वर्चुअल सत्र था। वर्चुअल सत्रों की अध्यक्षता प्रोफेसर स्टेफन आनंद (यूएसए) और तनसुख राय केन (लंदन, यूके) ने किया। सम्मेलन में उपरोक्त विषय पर आधारित 58 शोध-पत्र पढ़े गये। डॉ. उमेश चन्द्र अध्यक्ष भारतवर्षीय गोंड आदिवासी महासभा (समिति) एवं आदिवासी कल्याण समिति ने जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण नीतियां और वैश्विक सततशीलता पर अपने सहयोगी अंकिता चन्द्रा असिस्टेंट प्रोफेसर भाउ राव देवरस महाविद्यालय, दुद्धी, सोनभद्र द्वारा प्रस्तुत शोध पत्र को पढ़ते हुए कहा कि मानव सभ्यता के लिए बढ़ता हुआ वैश्विक तापमान जलवायु परिवर्तन के लिए गम्भीर चिंतन और नीतियों के कियान्वयन का विषय बन चुका है। विकसित देशों और विकासशील देशों की सरकारों की कमजोर राजनीतिक इच्छाशक्ति इस चुनौती को और भी गम्भीर बना रही है। सतत विकास लक्ष्य रिपोर्ट 2024 के अनुसार वैश्विक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में वृद्धि जारी है। जिससे वैश्विक तापमान बढ़ रहा है। पुर्व निर्धारित लक्ष्य जिसमें वैश्विक तापमान की वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस पर रखना था अब इसके बने रहने की सम्भावना 14 प्रतिशत ही रह गयी है। ग्रीन हाउस उत्सर्जन पर नियंत्रण वैश्विक विफलता दर्शाती है। कार्बन-डाई-ऑक्साइड समतुल्यता ने नया कृतिमान 57.4 जीगा टन स्थापित कर लिया है जिसमें दो-तिहाई योगदान केवल जीवाश्म ईंधन का ही है, यह बेहद चिंताजनक स्थिति है, इसके बावजूद भी संसार के विकासशील और अविकसित राष्ट्रों में जंगल काटे जा रहे हैं। सम्मेलन का समापन दिनांक 13 मई 2025 को पारो में हुआ। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर संजय पासवान, अध्यक्षता प्रोफेसर वत्सला, विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर भुवन राम, आलोक कश्यप, मो. रियाज अहमद, स्वागत अभिभाषण प्रोफेसर ल्हातो जाम्बा, समापन सम्बोधन प्रोफेसर कोमरैयाह, संचालन प्रोफेसर सुजीत श्रीवास्तव और धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर अमरनाथ पासवान द्वारा किया गया। उपस्थित प्रतिभागियों ने श्रीकृष्ण गोंड के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुक्तविश्वविद्यालय में योगप्रशिक्षण एवंअभ्यासकरायागया

योगाभ्यासकरातेहुए
स्हायकआचार्य (संवि.) श्रीअनुराग शुक्ला

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजमेंअंतर्राष्ट्रीय योगदिवस के पूर्वप्रतिदिन योगाभ्यास की विभिन्नक्रियाएंसंचालित की जारहीहैं।इसी कम मेंशुक्रवारदिनांक 16 मई, 2025 कोगंगापरिसरमें योग का आयोजनकियागया। योगाभ्यासकार्यक्रममेंकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम, श्रीमती सीमासत्यकाम, अधिकारी, शिक्षक एवंकर्मचारी शामिलहुए।

लोगों ने विभिन्नमुद्राओं का अभ्यासकिया।जिससेउनकातनाव कम हुआ। योगविशेषज्ञश्रीअनुराग शुक्ला ने लोगोंकोसमूहमें योग का अभ्यासकराया, जिससेउन्हें एकदूसरे के साथजुड़ने का अवसरमिला।

योग ने लोगोंकोतनावमुक्तकरनेमेंमददकी। उनके मानसिकस्वास्थ्य मेंसुधारकिया। योग ने लोगोंको एकदूसरे के साथजुड़नेऔरसामाजिकसंबंधबनानेमेंमददकी।

इस अवसरपरकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकि उ प्र राजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय मेंविगत एक सप्ताह से सतत योगाभ्यास का कार्यक्रमचलरहाहै।उन्होंनेबतायाकिविश्वविद्यालय मुख्यालय सहितअपनेसभी क्षेत्रीय केंद्रों एवंगोदलिए गांवों एवंआंगनवाडीकेन्द्रोंमें एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योगथीमपरप्रतिदिन योगाभ्यासकार्यक्रमसंचालितकररहाहै।जोअंतरराष्ट्रीय योगदिवस 21 जून 2025 तकचलतारहेगा।उन्होंनेजनसामान्य से भीविश्वविद्यालय के योगकार्यक्रमों से जुड़ने की अपीलकी।

विश्वविद्यालय परिवार के सदस्योंको योग के विज्ञानपरपरिचर्चा के साथसूक्ष्म व्यायाम, शीतलीप्राणायाम, चन्द्रभेदनप्राणायाम, शीतकारीप्राणायाम,वर्काआसन, ताडआसन, ओमकार एवंप्रार्थनाकरातेहुए योगप्रशिक्षकश्रीअनुराग शुक्ला।

मुक्तविश्वविद्यालय द्वाराप्रयागराजपब्लिकस्कूलमें योगप्रशिक्षण एवंअभ्यासकरायागया

योगाभ्यासकरातेहुए
स्हायकआचार्य (संवि.) श्रीअनुराग शुक्ला

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वाराअंतर्राष्ट्रीय योगदिवस 2025 के परिप्रेक्ष मेंमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी के निर्देशपरदिनांक 17 मई, 2025 को योगकार्यक्रम के अंतर्गतप्रयागराजपब्लिकस्कूल शांतिपूरम् मेंछात्र–छात्राओं एवंशिक्षकबंधुओको योग की प्राचीनता के विषय मेंजानकारीप्रदानकरने के साथ–साथ, सुक्ष्म व्यायाम, ओमकारप्राणायाम, अनुलोम–विलोम, भ्रामरीप्राणायाम एवंकपालभाति का अभ्यासविश्वविद्यालय के सहायकआचार्य (संवि.) श्रीअनुराग शक्ला द्वाराकरायागया।

इस अवसरपरप्रधानाचार्य डॉ0 मदनमोहनपाण्डेय जी के साथ–साथस्कूल के समस्तशिक्षक एवंशिक्षिकाएं की भीउपस्थितरही।

मुक्तविश्वविद्यालय द्वाराशिवगंगाविद्यामंदिरमें योगप्रशिक्षण एवंअभ्यासकरायागया

योगाभ्यासकरातेहुए
स्हायकआचार्य (संवि.) श्रीनिकेत सिंह

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वाराअंतर्राष्ट्रीय योगदिवस 2025 के परिप्रेक्ष मेंमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी के निर्देशपरदिनांक 17 मई, 2025 को योगकार्यक्रम के अंतर्गत**"Yoga for One Earth and One Health"**थीमपरअंतरराष्ट्रीय योगदिवस के पूर्व योगजागरूकताकार्यक्रम का आयोजन शांतिपुरम् स्थितशिवगंगाविद्यामंदिरमेंकियागया। इस अवसरपरविद्यालय के छात्र–छात्राओं, शिक्षकों एवंसमस्तकर्मचारियोंको योग के प्रतिजागरूककियागया।

कार्यक्रम का संचालनउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय की स्वास्थ्य विज्ञानविद्या शाखा के योग मे सहायकआचार्य (संवि) श्रीनिकेत सिंह द्वाराकियागया।उन्होंनेविद्यार्थियोंकोविभिन्न योगासनों, सूक्ष्म व्यायाम, अनुलोमविलोम, शितकारीभ्रामरीप्राणायाम, ताड़ासन व्रक्षासन एवंसूर्यनमस्कार का अभ्यासकरातेहुए योग के शारीरिक, मानसिक एवंसामाजिकलाभों की जानकारीदी।सभीछात्र छात्रों ने पूरे योग सत्र में बढ़ चढ़करभागीदारीलीऔरबड़ेहीउत्साहपूर्वक योगअभ्यासकिया। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यालय परिवार ने स्वस्थ जीवन शैलीअपनाने का संकल्पलियाऔर योगकोदैनिक जीवन का हिस्साबनाने का संदेशदिया। इस पूरेकार्यक्रम मे विद्यालय के प्रधानाचार्यश्रीप्रदीपतिवारीजी एवं खेल एवं शरीरिकशिक्षक,श्रीसत्यमपाण्डेयजी का विशेषसहयोगरहा।

योगाभ्यासकरातेहुए
स्हायकआचार्य (संवि.) श्रीनिकेत सिंह

मुक्तविश्वविद्यालय मेंऑनलाइनयोगप्रशिक्षण एवंअभ्यासकरायागया

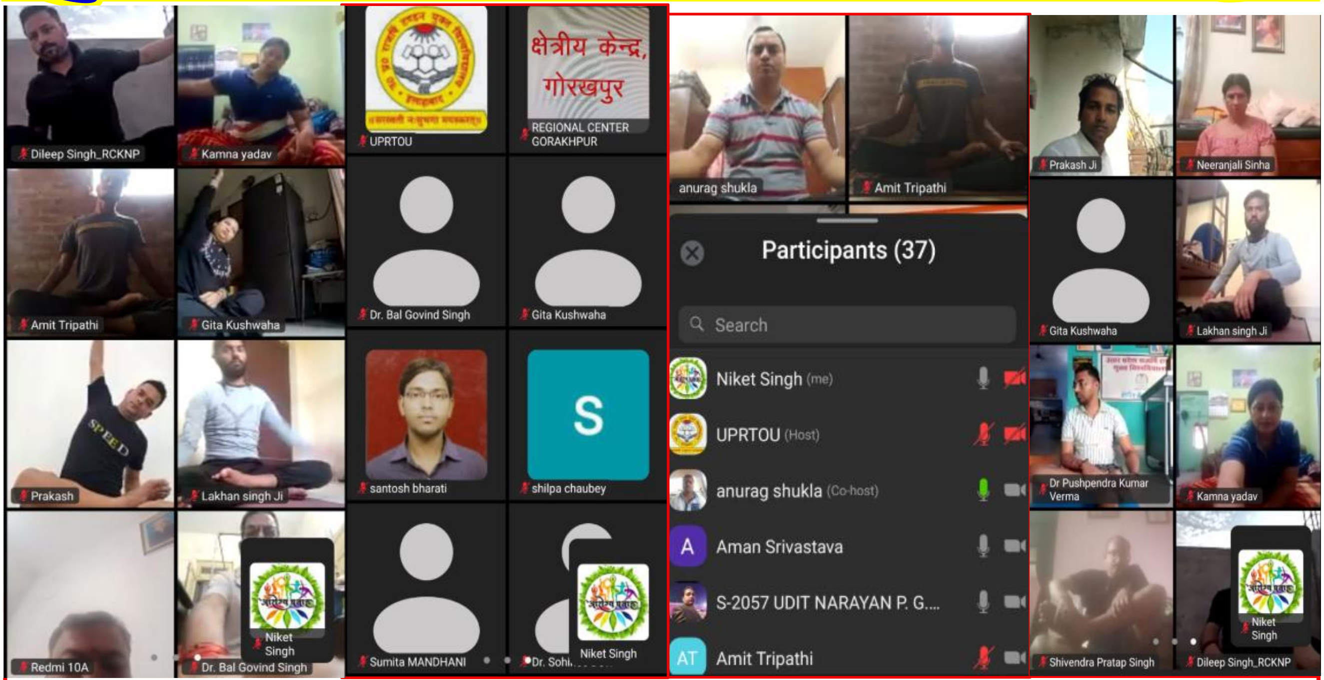

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वाराअंतर्राष्ट्रीय योगदिवस 2025 के परिप्रेक्ष मेंमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी के निर्देशपरविश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञानविद्याशाखा ने दिनांक 17 मई, 2025 को योगकार्यक्रम के अंतर्गत"**Yoga for One Earth and One Health**"थीमपरऑनलाइनमोडमें योग सत्र का आयोजनकियागया।जिसअवसरविश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं, शिक्षकबंधुओ एवंसमाज की बंधुओ ने भी योग के प्रशिक्षण एवंअभ्यासकार्यक्रममेंभागलिया। इस अवसरपरविश्वविद्यालय के सहायकआचार्य योगश्रीअनुराग शुक्ला द्वारासुक्ष्म व्यायाम, ओमकारप्राणायाम, कपालभातिविभिन्नआसनोंआदि का अभ्यासकराया।

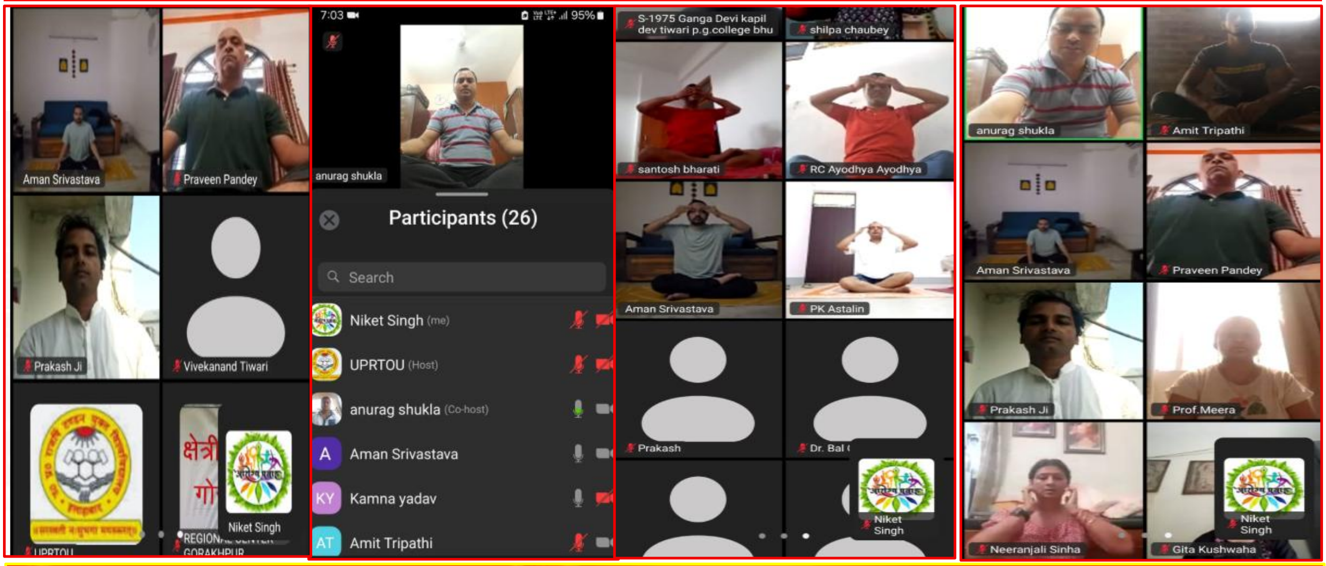

मुक्तविश्वविद्यालय में योगप्रशिक्षण एवंअभ्यासकरायागया

योगाभ्यासकरातेहुए
स्हायकआचार्य (संवि.) श्रीअनुराग शुक्ला

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजमेंअंतर्राष्ट्रीय योगदिवस के पूर्वप्रतिदिन योगाभ्यास की विभिन्नक्रियाएंसंचालित की जारहीहैं।इसी कम मेंशनिवारदिनांक 17मई, 2025 कोगंगापरिसरमें योग का आयोजनकियागया। योगाभ्यासकार्यक्रममेंकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम, श्रीमती सीमासत्यकाम, अधिकारी, शिक्षक एवंकर्मचारी शामिलहुए।

लोगों ने विभिन्नमुद्राओं का अभ्यासकिया।जिससेउनकातनाव कम हुआ। योगविशेषज्ञश्रीअनुराग शुक्ला ने लोगोंकोसमूहमें योग का अभ्यासकराया।योग ने लोगोंकोतनावमुक्तकरनेमेंमददकी। उनके मानसिकस्वास्थ्य मेंसुधारकिया। योग ने लोगोंको एकदूसरे के साथजुड़नेऔरसामाजिकसंबंधबनानेमेंमददकी।

इस अवसरपरकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकि उ प्र राजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय मेंविगत एक सप्ताह से सतत योगाभ्यास का कार्यक्रमचलरहाहै।उन्होंनेबतायाकिविश्वविद्यालय मुख्यालय सहितअपनेसभी क्षेत्रीय केंद्रों एवंगोदलिए गांवों एवंआंगनवाडीकेन्द्रोंमें एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योगथीमपरप्रतिदिन योगाभ्यासकार्यक्रमसंचालितकररहाहै।जोअंतरराष्ट्रीय योगदिवस 21 जून 2025 तकचलतारहेगा।उन्होंनेजनसामान्य से भीविश्वविद्यालय के योगकार्यक्रमों से जुड़ने की अपीलकी।

विश्वविद्यालय परिवार के सदस्योंको योग के विज्ञानपरपरिचर्चा के साथसूक्ष्म व्यायाम, शीतलीप्राणायाम, चन्द्रभेदनप्राणायाम, शीतकारीप्राणायाम, वर्क्राआसन, ताडआसन, कटीचक्रासन, त्रिकोणआसन, ओमकार एवंप्रार्थनाकरातेहुए योगप्रशिक्षकश्रीअनुराग शुक्ला।

इसकेसाथहीहास्ययोग के दौरानलोगों ने जमकरठहाकेलगाए और यह एक मजेदारऔरतनावमुक्तकरनेवालाअनुभवथा।लोगों ने विभिन्नहास्य मुद्राओंऔरगतिविधियोंमेंभागलिया, जिससेउन्हेंहंसीआईऔरतनाव कम हुआ।लोगों ने विभिन्नहास्य मुद्राओं का अभ्यासकिया, जैसेकिहंसने की मुद्रा, मुस्कराने की मुद्राऔरठहाकालगाने की मुद्रा। योगविशेषज्ञनिकेत सिंह ने लोगोंकोसमूहमेंहास्य का अभ्यासकराया, जिससेउन्हें एक दूसरे के साथजुड़नेऔरहंसने का अवसरमिला।

मुक्तविश्वविद्यालय मेंऑनलाइनयोगप्रशिक्षण एवंअभ्यासकरायागया

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वाराअंतर्राष्ट्रीय योगदिवस 2025 के परिप्रेक्ष मेंमाननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी के निर्देशपरविश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञानविद्याशाखा ने दिनांक 18मई, 2025 कोयोगकार्यक्रम के अंतर्गत"Yoga for One Earth and One Health"थीमपरऑनलाइनमोडमेंऑनलाइनयोग सत्र का आयोजनकियागया।जिसअवसरविश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं, शिक्षकबंधुओ एवंसमाज की बंधुओ ने भी योग के प्रशिक्षण एवंअभ्यासकार्यक्रममेंभागलिया। इस अवसरपरविश्वविद्यालय के सहायकआचार्य योगश्रीनिकेत सिंह द्वारासुक्ष्म व्यायाम, ओमकारप्राणायाम, कपालभातिविभिन्नआसनोंआदि का अभ्यासकराया।

देशमेंरहकरदेश के खिलाफलिखनानैतिकअपराध–प्रोफेसरसत्यकाम

नारदजयंती के उपलक्ष्य मेंआयोजितसमारोहमेंपत्रकारों का हुआसम्मान

गोष्ठीमेंविचारव्यक्तकरतेहुए कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम

पत्रकारजोकहतेहैं, लिखतेहैं, वहीसमाजसत्य मानताहै, पत्रकारों की भूमिकाअत्यंतजिम्मेदारभीपूर्णहोतीहै।आर्टिफिशियलइंटेलिजेंस का प्रयोगनिरंतर बढ़ रहाहै। यह पत्रकारिता के मूल्यों के प्रतिकूलहै, साहित्य, संस्कृतिऔरकलाकोभीसमाचारोंमेंप्रमुखतामिलनीचाहिए, यह बातराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने कही।वहरविवारदिनांक 18 मई, 2025 कोदेवर्षिनारदजयंती के उपलक्ष मेंहिंदुस्तानीअकादमीमेंविश्वसंवादकेंद्र, प्रयागराज की ओर से आयोजितसंगोष्ठीकोसंबोधितकररहेथे।

अध्यक्षताकरतेहुए कुलपति ने कहा, भारतप्राचीनराष्ट्र है, संस्कृत की जड़ेबहुतगहरीहैं, राष्ट्र के रुप मेंभारततभीसुरक्षितरहेगाजबसंस्कृतिऔरकला का संरक्षणहोगा।राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जनमतनिर्माणमेंमीडिया की भूमिका के संदर्भमेंबोले, देशमेंरहकरदेश के खिलाफलिखनानैतिकअपराधहै।आपरेशनसिंदूर के सन्दर्भमेंकहा, कश्मीरमें ऐसीसामाजिकस्थिति का निर्माणकियाजाय किवहांकश्मीरीलोगहीआतंकवादियों का कालरपकड़ करबाहरकरें।

आरएसएस के काशीप्रांतप्रमुख राजेंद्रसक्सेना ने नारदजी की जयंतीज्येष्ठ कृष्ण द्वितीयाकोमनाने के ऐतिहासिकसंदर्भसाझा किए।विषय प्रवर्तनकरतेहुए आरएसएस के प्रांतप्रचारप्रमुख डॉ मुरारजी त्रिपाठी ने मीडिया की बदलतीभूमिकाकोरेखांकितकिया।विशिष्टवक्तावीरेंद्रपाठकरहे।संचालनबसुपाठक व रितेशकुमार सिंह ने किया।कार्यक्रममेंपत्रकारोंकोसम्मानितकियागया। इस दौरान चारु मित्र, कृष्णा मनोहर, रितेश, व्रतशीलगार्गीश्रीवास्तव, शमशेरजमदग्निरहे।

ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज रसूलाबाद में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के योग विभाग से जुड़े योगाचार्य प्रो. अनुराग के निर्देशन में शनिवार को शिविर लगाया गया। इसमें प्रशिक्षकों ने योग आसन कराया। ● हिन्दुस्तान

ज्वाला देवी में छात्र-छात्राओं ने सीखे योग आसन

प्रयागराज। ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज रसूलाबाद में उत्तर प्रदेश राजर्षी टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में योग विभाग से जुड़े योगाचार्य प्रो. अनुराग के निर्देशन में शनिवार को योग शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में छात्र-छात्राओं को योग के महत्व और उसके विभिन्न तरीकों के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रो. अनुराग ने कहा कि प्रतिदिन न्यूनतम 30 मिनट योग करना आवश्यक है। प्रधानाचार्य युगल किशोर मिश्र ने बच्चों को नियमित योग करने के लिए प्रेरित किया। योग प्रमुख दीपक मिश्र ने आभार जताया।

हिंदुस्तान
प्रयागराज
रविवार
18 मई, 2025

'दोधारी तलवार पर चलते हैं पत्रकार'

प्रयागराज, मुख्य संवाददाता। देवर्षि नारद जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को हिंदुस्तानी एकेडेमी में विश्व संवाद केंद्र की ओर से 'राष्ट्रीय सुरक्षा हेतु जनमत निर्माण में मीडिया की भूमिका' विषय पर गोष्ठी एवं पत्रकार सम्मान समारोह हुआ। शुरुआत देवर्षि नारद के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुई।

गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि पत्रकार जो कहते हैं, लिखते हैं, वही समाज सत्य मानता है। इसीलिए पत्रकारों की भूमिका अत्यंत जिम्मेदारीपूर्ण होती है। पत्रकारों को दोधारी तलवार पर चलना पड़ता है इसलिए पत्रकारों की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए समाज को भी सोचना पड़ेगा। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग पर भी चेताया और इसे पत्रकारिता के मूल्यों के प्रतिकूल बताया। मुख्य वक्ता प्रांत प्रमुख काशी राजेंद्र सक्सेना ने विचार प्रस्तुत किए। विषय प्रवर्तन संघ के प्रांत प्रचार प्रमुख डॉ. मुरारजी त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर पांच मीडियाकर्मी वीरेंद्र पाठक, शरद द्विवेदी, मनीष मिश्रा, शिव पूजन सिंह और उमा शंकर गुप्ता को सम्मानित किया गया। गोष्ठी संचालन वसु पाठक एवं रितेश कुमार सिंह ने किया।

हिंदुस्तानी एकेडेमी में देवर्षि नारद जयंती पर गोष्ठी में संबोधित करते वीसी प्रो. सत्यकाम।

हिंदुस्तान
सोमवार
19 मई, 2025

दैनिक जागरण

Prayagraj, Monday, 19 May 2025
PRAYAGRAJ EDITION
Price ₹ 3.50/-
Pages 12

देश में रहकर देश के खिलाफ लिखना नैतिक अपराध : प्रो. सत्यकाम

नारद जयंती के उपलक्ष्य मे आयोजित समारोह मे पत्रकारों का हुआ सम्मान

PIC: DAINIK JAGRAN-I NEXT

● गोष्ठी में विचार रखते हुए वक्ता.

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (18 May): पत्रकार जो कहते हैं, लिखते हैं, वही समाज सत्य मानता है. पत्रकारों की भूमिका अत्यंत जिम्मेदारीपूर्ण होती है. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग निरंतर बढ़ रहा है. यह पत्रकारिता के मूल्यों के प्रतिकूल है. साहित्य, संस्कृति और कला को भी समाचारों में प्रमुखता मिलनी चाहिए. यह बात राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आचार्य सत्यकाम ने कही. वह रविवार को देवर्षि नारद जयंती के उपलक्ष्य में हिंदुस्तानी अकादमी में विश्व संवाद केंद्र प्रयागराज की ओर से आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे.

अध्यक्षता करते हुए कुलपति ने कहा, भारत प्राचीन राष्ट्र है. संस्कृति की जड़ें बहुत गहरी हैं. राष्ट्र के रूप में भारत तभी सुरक्षित रहेगा जब संस्कृति और कला का संरक्षण होगा. राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जनमत निर्माण में मीडिया की भूमिका के संदर्भ में बोले, देश में रहकर देश के खिलाफ लिखना नैतिक अपराध है. आपरेशन सिंदूर के संदर्भ में कहा, कश्मीर में ऐसी सामाजिक स्थिति का निर्माण किया जाय कि वहां कश्मीरी लोग ही आतंकवादियों का कालर पकड़ कर बाहर करें.